

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, कंकड़बाग, पटना

(द्वितीय पाली)

विद्यालय पत्रिका

"अभिव्यक्ति"

सत्र-2026-27



हमारे प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक.....



**डॉ अजय कुमार मिश्र,
उपायुक्त
के.वि.सं. पटना संभाग**



**श्री मनीष कुमार प्रभात
,सहायक आयुक्त
के.वि.सं. पटना संभाग**



**श्री पूर्णेन्दु मंडल ,
सहायक आयुक्त
के.वि.सं. पटना संभाग**

प्राचार्य का संदेश.....

प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों,

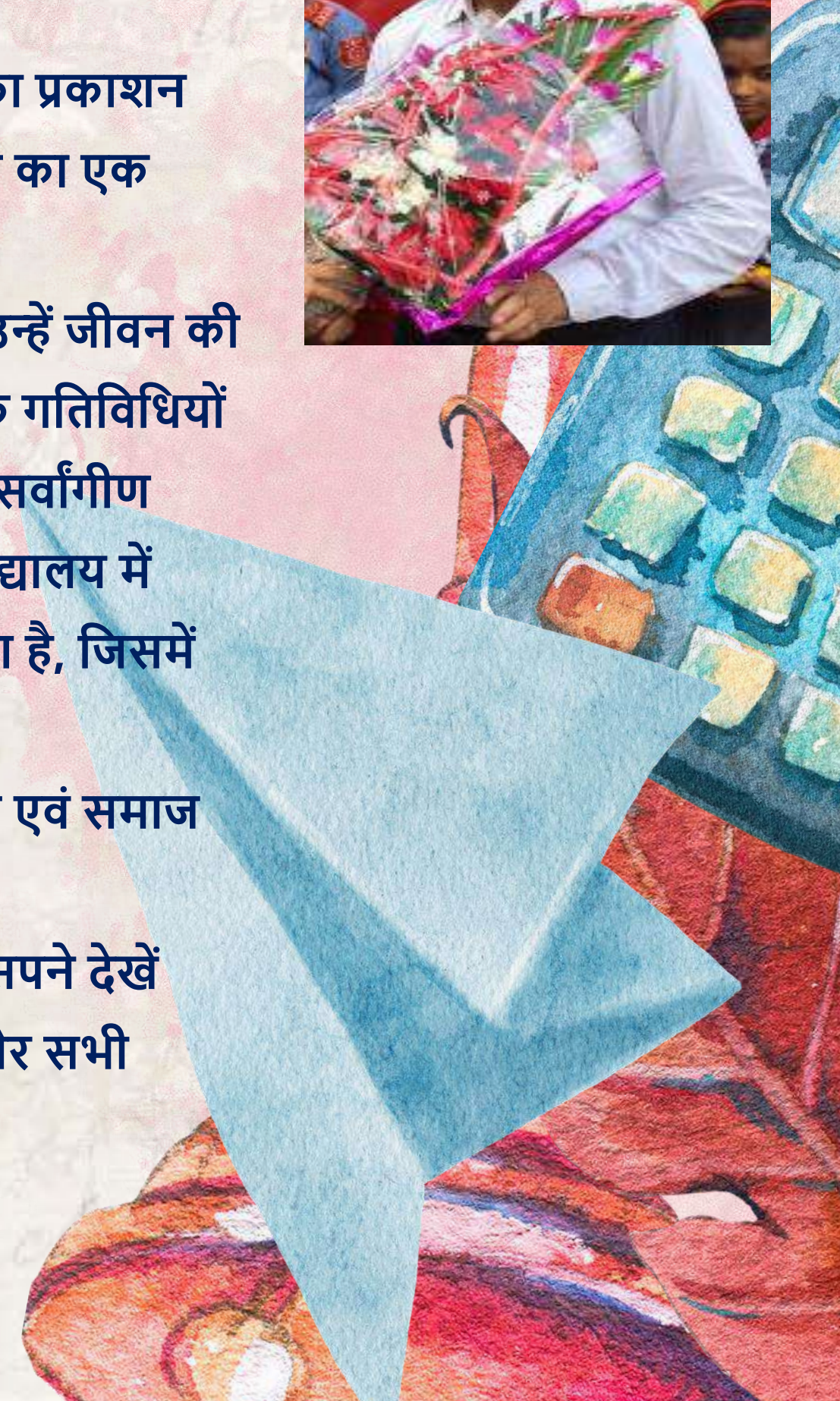
मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि हमारा विद्यालय इस वर्ष भी अपनी वार्षिक ई पत्रिका “अभिव्यक्ति” का प्रकाशन कर रहा है। यह पत्रिका हमारे विद्यार्थियों और शिक्षकों की छिपी हुई रचनात्मक प्रतिभा, विचारों और कड़ी मेहनत का एक सुंदर दर्पण है।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्राप्त करना नहीं है, बल्कि छात्रों के व्यक्तित्व को तराशना और उन्हें जीवन की हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार करना है। हमारे शिक्षक विद्यार्थियों को अकादमिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। विद्यालय में शिक्षण कार्य के साथ साथ छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक गतिविधियां वर्ष पर्यंत चलती रहती हैं। इस पत्रिका के माध्यम से आप अवगत हो सकेंगे कि विद्यालय में एनसीसी, खेलकूद एवं विभिन्न कौशलों के विकास के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रत्येक सप्ताह होता है, जिसमें विद्यार्थी भाग लेते हैं और अपनी प्रतिभा को निखारते हैं।

मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी आगे चलकर प्रबुद्ध, देशभक्त एवं विविध कौशलों से परिपूर्ण सभ्य नागरिक बनेंगे एवं समाज और देश के विकास में अपना यथासंभव सक्रिय योगदान देकर अपने मानव जीवन को सफल बनाएंगे।

मैं विद्यार्थियों से कहना चाहूंगा कि वे अनुशासन, विनम्रता और कठिन परिश्रम को अपना मार्गदर्शक बनाएं। बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास करें। इस पत्रिका को मूर्त रूप देने के लिए संपादक मंडल और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करता हूँ। सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएँ!

एम पी सिंह
प्राचार्य
केंद्रीय विद्यालय क्र. 1 कंकड़बाग पटना





संरक्षक- श्री एम पी सिंह, प्राचार्य



सम्पादकीय सदस्य

1. श्री राकेश शर्मा, स्नातकोत्तर शिक्षक (अंग्रेज़ी)
2. श्री राजीव कुमार सिंह स्नातकोत्तर शिक्षक (अंग्रेज़ी)
3. श्री संभव जैन, स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)
4. डॉ प्रेम दत्त पाण्डेय प्र.स्ना.शि. (हिन्दी)
5. श्री अभिजीत कुमार शंकर प्र.स्ना.शि. (अंग्रेज़ी)
6. श्रीमती शिवानी शांडिल्य ,प्राथमिक शिक्षिका
7. श्री धर्मवीर कुमार, प्राथमिक शिक्षक
8. श्री साकेत सौरभ, प्राथमिक शिक्षक

छात्र सम्पादक सदस्य

1. रिधिमा कुमारी 12 अ
2. लुधिमा सिंह 12 अ
3. अनुभव 12 स
4. आर्यन शर्मा 12 द

संपादक की कलम से.....

प्रिय पाठको,

यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि हमारे विद्यालय की वार्षिक ई पत्रिका “अभिव्यक्ति” का नया अंक आपके हाथों में है। यह पत्रिका केवल कागजों का संकलन नहीं है, बल्कि हमारे विद्यालय के नन्हें और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सपनों, विचारों और उनकी रचनात्मकता का जीवंत दर्पण है।

एक वर्ष के दौरान विद्यालय में पठन-पाठन के साथ-साथ अनेक सांस्कृतिक और खेल गतिविधियां आयोजित होती हैं। इन पन्नों में आपको हमारे बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा—कविताओं, कहानियों, और सुंदर लेखों के रूप में देखने को मिलेगी।

इस पत्रिका को मूर्त रूप देने में हमारे आदरणीय प्राचार्य जी, समर्पित शिक्षकों और हमारे मेहनती छात्र-संपादकों का अमूल्य सहयोग रहा है। मैं हृदय से उन सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने अपने रचनात्मक योगदान से इस अंक को समृद्ध बनाया।

आशा है कि यह अंक आपको प्रेरित करेगा और आपके चेहरों पर एक प्यारी सी मुस्कान लाएगा। आपके सुझावों का हमेशा स्वागत रहेगा।

पढ़ने का आनंद लें!

आपका

संभव जैन

स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)



अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषयसूची	
1.	विद्यार्थी जीवन: अनुभवों के पन्नों से..... (संस्मरण))	
2.	मेरा घर (कविता)	
3.	पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जाने वाले विभिन्न कार्य (आलेख)	
4.	आज कल बच्चे गजब ढा रहे हैं (व्यंग्य)	
5.	"पत्तों की पाठशाला" (कविता)	
6.	सुधा मूर्ति – सादगी में महानता	
7.	आजादी (कविता)	
8.	धरती - एक यदि तुम पेड़ लगाओ (कविता)	
9.	गर्मी का मौसम है आया	
10.	जतिन दास ठाकुर का जीवन परिचय एवं उनसे मिलने वाली शिक्षा	
11.	ज़िंदगी: एक पहेली*	
12.	Beyond the Mirror	

अनुक्रमणिका

13.	What Is Outer Space?	
14.	Ram Prasad Bismil: Life and Contribution	
15.	My Journey to Gangtok	
16.	Rise Again	
17.	<u>INTRODUCTION OF A NEW EDUCATIONAL PLATFORM “NotebookLM”</u>	
18.	SALUTE TO THE BRAVE...	
19.	Diary Entry: Reflections on Student Life	
20.	Rain, Rain, From Where You Came	
21.	SWACHH BHARAT SUNDAR BHARAT	
22.	कुछ पहेलियां	
23.	The Rhythm of Time	
24.	<u>कल उन्ही हाथों में होती निश्चित सफलता है...</u>	
25.	The power within	
26.	चित्र दीर्घा	
27.	उपलब्धियां	



हिन्दी विभाग

विद्यार्थी जीवन: अनुभवों के पन्नों से.....



नाम - ज्योति कुमारी
कक्षा - बारहवीं 'अ'



विद्यार्थी जीवन....जीवन का वह दौर जो बीतते समय के साथ भले ही पीछे छूट जाता है लेकिन उसकी यादें हमेशा हमारे साथ रह जाती हैं। मेरी अलमारी में कुछ पुरानी कॉपियाँ पड़ी हैं। उनके आधे पन्नों पर पढ़ाई है, कुछ पन्नों पर चित्र हैं और पीछे के कुछ पन्नों पर तो पुराने दोस्तों के नाम भी हैं। होने को तो कुछ की शक्ल भी याद नहीं आती, हाँ !!! हर साल कुछ न कुछ बिछड़ते जो गए। इतने साल हो गए ? सच कहूँ तो मुझे याद ही नहीं कि स्कूल कब "रोज जाना पड़ता है" से "कभी वापस पढ़ने नहीं आ पाएंगे" बनने को है। केंद्रीय विद्यालय कंकड़बाग में बिताए गए "बारह साल" सुनने में तो बस एक संख्या लगती है लेकिन इन बारह सालों में कितने चेहरे आए, कितने दोस्त बने, कितने छूट गए, कितनी बार हम बदले और कितनी यादें जमा होती गई, इसका हिसाब तो शायद रिपोर्ट कार्ड में भी नहीं मिला। वह कक्षा एक का पहला दिन मुझे आज भी याद है, नई बैग, नए कपड़े, नई बॉटल और वो रोती हुई 'ज्योति' जिसे नए बच्चों से डर लगता था। उन दिनों पढ़ाई से ज़्यादा घर भागने को मन करता था। दूसरी कक्षा तो थोड़ी बेहतर थी, धीरे-धीरे विद्यालय अपना सा लगने लगा था, कुछ दोस्त भी बन गए थे, अध्यापिका भी अच्छी लगती थी। और शायद सबसे खूबसूरत हिस्सा तो वह कक्षा तीसरी से पाँचवीं के बीच का था... न भविष्य की चिंता, ना परीक्षा के अंकों की, तो भी शिक्षिका से तारीफें बटोरने को मेहनत करते! फिर आया वह समय जिसे हमारी पीढ़ी कभी नहीं भूल पाएगी...विद्यालय बंद, दोस्तों से मिलना बंद और तो और घर से बाहर निकलना भी बंद, वो कोरोना काल वाला वक्त। ऑनलाइन कक्षाओं में हँसी भी आती थी, परेशानी भी होती थी, वो छठी और सातवीं कक्षाओं का दिन तो यूँ ही स्क्रीन पर ही गुजर गया। फिर आया आठवीं कक्षा का वक्त जब सभी वापस लौट आते हैं, विद्यालय वापस शुरू हो जाती है, कक्षाएँ तो पहले जैसी ही थीं, वह बिल्डिंग तो वैसी की वैसी ही थी, पर दो सालों में बच्चे काफ़ी बदल गए थे। फिर नौवीं कक्षा में आने के बाद तो आत्मविश्वास मानो पहाड़ पे आ चुका था, फिर भी उस कक्षा ने जैसे खोया हुआ जीवन वापस ला दिया था, मस्ती भी थी, पढ़ाई भी थी और दोस्तों के साथ कई नौक झोंकें भी बाद में आया एक अनोखा साल जिसे कोई नहीं भूल सकता बोर्ड्स! दसवीं कक्षा के वो दिन बोर्ड्स का नाम सुन के लगता था जैसे जिंदगी का सबसे बड़ा युद्ध आने वाला है, कभी पढ़ाई का तनाव, कभी ऊँचे-नीचे दिन पर अंत में कोई ऐसा दिन जब खुद पे गर्व भी होता था। और शायद उन्हीं चीजों में हमने विद्यार्थी जीवन का पाठ मानो खत्म सा कर लिया था। फिर उन पुराने दोस्तों से मुलाकात भी नहीं हो सकी

कक्षा ग्यारहवीं में हुई फिर एक नई शुरुआत.... नई कक्षा थी, नए शिक्षक थे, नए बच्चे थे और तो और विषय भी नया था। शुरू में हिचकिचाहट भी थी पर धीरे-धीरे सभी घुल मिल कर दोस्त बन गए और....

अब तो मैं बारहवीं कक्षा में हूँ और ये आखिरी साल है।

ये शब्द जितना साधारण है भावनाएँ उतनी ही ज़्यादा जटिल हैं। अब लगता है वक्त को थोड़ा सा और रोक लूँ और वापस उन दिनों को जी लूँ, चूंकि यह आखिरी साल उन सभी सालों का आखिरी पन्ना जो है ! कक्षा एक में पढ़ रही वह ज्योति...जो पहले दिन ही वापस घर को भागना चाहती थी, आज सोचती है "क्या अगले साल से यहाँ नहीं आना?"

और शायद यही विद्यार्थी जीवन है..., जहाँ हर साल एक नया अध्याय है, हर दोस्त एक खूबसूरत याद है और हर विदाई में एक नई शुरुआत है! और मैं कितना ही लिखूँ इन 'बारह वर्षों' के अनुभव पे... जिनमें मेरा बचपन भी है, मेरा कल भी था, और मेरा आज भी है। अनुभव तो इतने हैं कि शब्द चुनते-चुनते रात हो जाए फिर भी शायद कोई एक याद बाकी रह जाए। फ़िलहाल इन्हीं प्यारी यादों के साथ अपने विद्यालय को सादर धन्यवाद !

मेरा घर

-पिहु मौर्या 10D



बड़े होके तारों का एक जहाँ बनाना है,
उस जहाँ में अपने घर को सजाना है।
मुझे अपने नाम का एक घर बनाना है,
उस घर की एक-एक ईंट मेरी कहानियाँ बताएगी,
मैंने कितनी मेहनत की है ये बात जताएगी।
ना सिर्फ मेरी मेहनत की कमाई होगा वो घर,
बल्कि मेरी मेहनत की गवाही होगा वो घर।
मैंने कितनी मेहनत की है इस बात को बताएगा,
आखिर वो घर मेरा अपना कहलाएगा।
जो लोग कहते हैं लड़कियों का कोई घर नहीं होता,
कभी लिंग की मोहताज नहीं होता मेरा घर बताएगा
मैं एक घर बनाऊँगी,
मैंने कितनी मेहनत की है ये पूरी दुनिया को बताऊँगी।
मैं अपने नाम का एक घर बनाऊँगी।



नाम :- श्रीजा नंदिनी
कक्षा :- 4 D

पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जाने वाले विभिन्न कार्य

"पेड़-पौधे हैं वरदान, इनसे बचती सबकी जान"

हम जिस वातावरण में रहते हैं, उसे पर्यावरण कहते हैं। जैसे हवा, पानी मिट्टी, पेड़ – पौधा और जीव-जंतु - इन सबसे मिलकर हमारा पर्यावरण बनता है। क्या हमलोगों ने सोचा है कि अगर ये पेड़-पौधे, नदियाँ और पक्षी हमसे बातें कर पाते, तो क्या कहते? वे हमसे कहते—"हमें बचाओ!" हमारी कुछ गलत आदतों के कारण धरती माँ बीमार हो रही है। हम बच्चे पर्यावरण को हरा-भरा और सुरक्षित रखने के लिए छोटे-छोटे बदलाव करके बड़े कार्य कर सकते हैं जैसे कि :-

1. हम सभी बच्चे अधिक पेड़ लगाये (वृक्षारोपण)

हम अपने जन्म दिन पर हर साल टॉफी बांटने के साथ-साथ एक छोटा सा पौधा ज़रूर लगाएं और उसकी देखभाल करें। जिससे कि हमें पेड़ से शुद्ध हवा (ऑक्सीजन) और फल-फूल मिल सके।

2. पानी की बचत करना:

"जल ही जीवन है" नहाने के लिए शायर की जगह बाल्टी और मग का इस्तेमाल करना चाहिए तथा ब्रश करते समय नल को खुला नहीं छोड़ना चाहिए ताकि पानी बर्बाद न हो। पानी की हर एक बूँद कीमती है।

3. प्लास्टिक को कहें 'ना':

हम सभी लोगों को प्लास्टिक की थैलियों की जगह कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग करना चाहिए। प्लास्टिक पर्यावरण और पशुओं के लिए बहुत हानिकारक है।

4. पशु-पक्षियों से दोस्ती :-

बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था और देखभाल करना। पक्षियों के लिए अपनी छत या बालकनी पर मिट्टी के बर्तन में दाना-पानी रखना चाहिए। पेड़-पौधे हैं तभी पशु- पक्षी है इनका ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है।

निष्कर्ष:

यदि हम सब मिलकर ये छोटे-छोटे कदम उठाएंगे, तो हमारी धरती फिर से सुंदर और स्वस्थ हो जाएगी। आइए संकल्प लें कि हम पर्यावरण को कभी नुकसान नहीं पहुँचाएँगे।

"संकल्प: सुंदर स्वच्छ बनाएंगे, धरती को स्वर्ग बनाएंगे!"



आज कल बच्चे गजब ढा रहे हैं



सुनिधि

कक्षा -नवमी



आज कल बच्चे गजब ढा रहे हैं
परीक्षा में न जाने क्यों इतने नंबर ला रहे हैं
हम तो सात आठ भाई थे पढाई में खूब दिल लगाया करते
तब जाके सबके मिलाके साठ सत्तर परसेंट आया करते , हौसले इतने बुलंद थे कि कभी उदास नहीं हुए एक साल में दो भाइयों से ज्यादा पास नहीं हुए
घरवालों ने जो पुस्तकें एक बार दिलवा दी सारी जिंदगी वही चला दी
छोटे वाला भाई हमेशा कई कई ट्युशन में पढा
पूरा जोर लगा दिया लेकिन अगले क्लास में नहीं चढ़ा एक दिन नाम ही कटवाना पड़ा
दरअसल उसे जबरदस्ती ही स्कूल में डलवा दिया पहली कक्षा में दाखिला करवाया था
पांच साल बाद पहली से ही निकालना पड़ा
बारहवी में मेरे अकेले के तैंतालीस परसेंट आये थे घरवाले क्या रिश्तेदार तक फूले नहीं समाये थे
रिजल्ट देखकर घर लौटा अद्भुत घड़ी थी
बड़ी बुआ दरवाजे पे आरती लिए खड़ी थी
कहने लगी बच्चे ने इतिहास रच दिया इसी खुशी में सुबह की सवामनी और शाम का भंडारा रख दिया पिताजी ने पूरे घर में सफेदी करवा दी
मार्कशीट शीशे में जड़वा कर डाइंग रूम में सजा दी
यूँ समझ लो बधाई देने वालों के ताते लग गए
पिताजी धन्यवाद धन्यवाद कहते-कहते थक गए
बड़ी अम्मा जी ने तो यहाँ तक कह दिया
अब जब तक इसकी पढाई चलेगी घर में देसी घी की अखंड ज्योत जलेगी
ये अलग बात है पढाई बीच में ही रुकवाणी पड़ी छः महीने से पहले ही ज्योत बुझानी पड़ी
बड़े भाई ने तो तब अचम्भा खाया जब अगले दिन देश के बड़े बड़े अखबारों में मेरा नाम नहीं आया
सबकुछ रह गया धरा का धरा दाखिला फिर कोर्रेस्पोंडेंस में मिला लेकिन न कोई शिकवा न कोई गिला
हमारे समय में बच्चे पढाई से बिलकुल नहीं घबराते थे एक कक्षा में कई कई वर्ष लगाते थे
कई कई बच्चों के तो रिश्ते भी स्कूल के थू आते थे
कई बार तो सेलेबूस तक एक्सपायर हो जाया करते बच्चे वही पड़े रहते मास्टर रिटायर हो जाया करते
जो बच्चे एक ही कक्षा में कई कई साल लगा दिया करते उन्हें अगली साल कक्षा का मॉनिटर बना दिया करते
वही बच्चे आज विजेता बन गए उस टाइम के सारे मॉनिटर आज देश के नेता बन गए
लेकिन आज बच्चे जाने किस तनाव में रहते हैं हर वक्त एक आभाव में रहते हैं बच्चों का बचपन बस्ते के बोझ तले दब गया माँ बाप का प्यार कंप्यूटर और मोबाइल के भेट चढ गया ।

"पत्तों की पाठशाला"

रौनक
कक्षा -12

ओस की बूंदों-सा निर्मल सवेरा,
हर पल सिखाए कुछ नया बसेरा।
तितली की उड़ान में सपनों की बात,
बगिया में खेलते हैं ज्ञान के प्रभात।

चुपचाप सिखाते हैं झरनों के गीत,
हवा की सरसराहट में होते हैं मीत।
रंग-बिरंगे फूलों से मिलती प्रेरणा,
हर रंग में छिपी होती है शिक्षा की व्याख्या।

नर्म धूप में ढलते हैं विचार,
छाँव में पलते हैं संस्कार।
हर पग में अनुशासन की रेखा,
हर नजर में उम्मीद की रेखा।

यह जगह बस ईंटों की नहीं,
यह वो धरती है जहाँ आत्मा भी बहे सही।
प्रकृति संग चलती यह पाठशाला,
संवेदनाओं से रचती उज्ज्वल उजाला।





सुधा मूर्ति – सादगी में महानता

रौनक लाल, कक्षा – 12वीं

सुधा मूर्ति एक ऐसी शख्सियत हैं, जिन्होंने अपने जीवन से यह साबित कर दिया कि महान बनने के लिए शोर नहीं, सेवा चाहिए। वे लेखिका, समाजसेविका और इन्फोसिस फाउंडेशन की अध्यक्ष हैं। एक साधारण जीवन जीते हुए उन्होंने असाधारण कार्य किए हैं — शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उनका योगदान अमूल्य है।

कर्नाटक में जन्मी सुधा जी ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई उस दौर में की जब लड़कियों का इस क्षेत्र में आना बहुत कम था। वे टाटा मोटर्स में नियुक्त होने वाली पहली महिला इंजीनियर भी बनीं। जीवन के हर पड़ाव पर उन्होंने अपने मूल्यों को नहीं छोड़ा — चाहे वो करियर हो, परिवार या समाज सेवा।

उनके जीवन से मिलने वाली सीखें:

सादगी में शक्ति होती है – उन्होंने हमेशा सादा जीवन जिया, जिससे यह सिखने को मिलता है कि दिखावे से नहीं, काम से पहचान बनती है।

ज्ञान और दया का मेल – एक कुशल इंजीनियर और संवेदनशील लेखिका होने के साथ, उन्होंने समाज के लिए हमेशा कुछ करने की भावना रखी।

समानता और सम्मान – वे हर व्यक्ति को सम्मान देती हैं, चाहे वो किसी भी वर्ग या स्थिति से क्यों न हो।

नारी सशक्तिकरण का प्रतीक – उन्होंने अपने काम से यह सिद्ध किया कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

लेखन में संवेदनशीलता – उनकी कहानियाँ बच्चों, जीवन और समाज की सच्चाइयों को सरल भाषा में उजागर करती हैं।

सुधा मूर्ति का जीवन एक ऐसी किताब है, जो हर विद्यार्थी को पढ़नी चाहिए। वह सिखाती हैं कि अगर हमारे भीतर सेवा, मेहनत और विनम्रता हो, तो हम भी अपने जीवन में बदलाव ला सकते हैं — खुद के लिए और दूसरों के लिए भी।

आजादी

आरुषि
कक्षा 6A



पक्षी को भी जीने दो
उसका भी है जीवन।

दुनिया में सभी का है
जीने का मन।

जब मन करता तब
तक तो हम खाते है।

पर जानवरो की बाते
हम समझ ही न पाते है।

पिंजड़े से आजाद करो सबको
क्योंकि जीने का मन है सबको।

जितना हम जी पाते है
उतना ही हक दो सबको

क्योंकि जानवर और मनुष्य
में कोई फर्क न समझो

धरती - एक यदि तुम पेड़ लगाओ

स्वेच्छा सिन्हा

पांचवीं द

धरती को हरा भरा बनाओ
प्रदूषण को तुम दूर भगाओ
कूड़े कचरे तुम ना फैलाओ
इसे तुम कूड़ेदान में डालो
एक यदि तुम पेड़ लगाओ
धरती को हरा भरा बनाओ
धरती को हम बचाएंगे
प्रदूषण अब नहीं फैलाएंगे
अब हम प्रण लेते हैं की धरती को हम बचाएंगे
सब का जीवन खुशहाल बनाएंगे



गर्मी का मौसम है आया

चाणक्य कुमार
कक्षा 6 अ

गर्मी का मौसम है आया
सबको इसने बहुत सताया
आसमान से आग है बरसे
बच्चे बूढ़े प्यास से तरसे
कूलर पंखे एसी चलते
दिन भी ना अब जल्दी ढलते
पल भर में चक्कर आ जाते
अगर खेलने धूप में जाते
लेकिन बच्चे खुश हो जाते
जब पापा आम आइसक्रीम कुल्फी लाते
गर्मी का मौसम है आया
सबको इसने बहुत सताया

जतिन दास ठाकुर का जीवन परिचय एवं उनसे मिलने वाली शिक्षा



जतिन कुमार
कक्षा- 6

जतिन दास ठाकुर एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी उनका जन्म 27 अक्टूबर 1904 को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हुआ था वह बचपन से ही बहुत बुद्धिमान और देशभक्त थे उन्होंने बहुत कम उम्र में ही स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेना शुरू कर दिया वह भगत सिंह और अन्य क्रांतिकारियों के साथ हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन नाम के संगठन से जुड़ गए अंग्रेजों ने उन्हें जेल में डाल दिया जहां भारतीय कैदियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जाता था इसका विरोध जताने के लिए जतिन दास ने भूख हड़ताल शुरू की उन्होंने पूरे 63 दिनों तक खाना नहीं खाया अंत में 13 सितंबर 1929 को उन्होंने देश के लिए अपने प्राण त्याग दिए जतिन दास ठाकुर के जीवन से हमें कई महत्वपूर्ण शिक्षाएं मिलती हैं सबसे पहली बात देशभक्ति और अपने देश के लिए बलिदान देना कोई छोटी बात नहीं होती जतिन दास ने यह काम बहुत कम उम्र में कर दिखाया दूसरी बात अन्याय और और बुरे व्यवहार के खिलाफ चुप रहना सही नहीं होता उन्होंने जेल में होने वाले अत्याचारों का साहसपूर्वक विरोध किया तीसरी बात सच्चाई और हक के लिए संघर्ष करना चाहिए चाहे वह कितना भी कठिन क्यों ना हो उनका जीवन हमें सिखाता है कि साहस दृढ़संकल्प और सच्चे इरादों से कुछ भी संभव है जतिन दास ठाकुर आज भी भारत के बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

ज़िंदगी: एक पहेली

✍ ऐश्वर्या शरण, 11 'ब

ज़िंदगी, मानो कोई खेल है ज़िंदगी
सैंकड़ों बवंडरों का मेल है ज़िंदगी।
पल भर की मुस्कान है ज़िंदगी
एक बड़ा तूफान है ज़िंदगी।।

कभी उतार-चढ़ाव है ज़िंदगी
तो कभी एक अनोखा पड़ाव है ज़िंदगी।
कल थी तो आज नहीं,
आज है तो कल नहीं
नश्वर नर के कर्मों का फल है ज़िंदगी।।

किसी के नज़रिए से विफल
तो किसी के लिए सफल है ज़िंदगी।
कभी अपने लक्ष्य को पाना है ज़िंदगी
तो कभी वादे निभाना है ज़िंदगी।
हालातों से लड़ना है ज़िंदगी
अपनों से बिछड़ना है ज़िंदगी।।

कभी मेरी तो कभी तुम्हारी कहानी है ज़िंदगी
कभी कड़वी तो कभी काफी सुहानी है
ज़िंदगी।

खट्टी-मीठी यादों का घोल है ज़िंदगी
शायद तभी इतनी अनमोल है ज़िंदगी।।

एक उलझी गुथी है ज़िंदगी,
अगर सुलझा पाओ तो बताना
अगर समझ पाओ तो समझना।
एक पहेली है ज़िंदगी,
अगर बूझ पाओ तो बताना
अगर समझ पाओ तो समझना।।

कहीं समझना समझाना ही तो नहीं ये ज़िंदगी?
या खुद को अपनाना है ज़िंदगी?
सोचना और विचारना ये आपका काम -
जिसे ना समझ सको जीवन है उसका नाम।।



ENGLISH SECTION



Beyond the Mirror

Damn this mirror, asking questions every day,
Sometimes about your face, sometimes about
your courage,
When your wavering spirit asks the world,
“Am I enough?”
The world laughs and says,
“You are not enough.”

But don't ever believe it to be true,
Don't weigh yourself on the world's scale.
For just as you are, you are whole,
You need no one's validation to prove your
worth.

Nurture the company you keep within yourself,
Know yourself, truly and deeply,
Look beyond what the world tells you,
And you will learn your own worth.



ANAMIKA SINGH

CLASS - 11'B'

Beauty is an abstract essence,
Don't make it the definition of who you are.
The opinions created by society
Do not deserve to become the measure of your
truth.

Don't ask for permission to fly,
The wings are yours—
And the sky belongs to no one.
So why let the world's fears
Hold your flight back?

Step away from the damn mirror,
And look at the face within—
Where there is no measure, no comparison,
Just you... and the entirety of who you are.



What Is Outer Space?

Name: Vaishnavi kumari

Class: 11'B'

What is outer space?

The question arises.

In answer, some say that

It is the place where our gods live.

Another says that

It is the place where aliens reside.

But in my opinion, it is the place

Beyond our Earth,

Where millions of mysteries are hidden,

And we all are eagerly awaiting

To solve these mysteries.

Space is filled with dust

And with many stars, planets, asteroids,

black holes,

And galaxies...

But should we breathe in space?

The answer is no, because in space

There is no oxygen.

So, how can we breathe without oxygen?

In our Solar System,

There are eight planets

Which orbit the Sun,

But we humans live on just one...

The spaceships are the best way

To travel through this wonderful space.

Astronauts travel through this way,

And while travelling, they explore lots of

facts.

I also want to travel and explore it,

And learn lots of facts from it,

And share them with my friends!

But how is it possible?

I don't know.

But it is not impossible.

I know...



Ram Prasad Bismil: Life and Contribution



Satveer Paul ,7C

Ram Prasad Bismil was one of the greatest freedom fighters of India. He was born on 11 June 1897 in Shahjahanpur, Uttar Pradesh. He was a brave revolutionary, poet, and patriot. From his childhood, he had a deep love for his country. Inspired by the ideals of the Arya Samaj, he dedicated his life to serving the nation.

Witnessing the atrocities of British rule, Bismil decided to join the freedom movement. He became one of the leading members of the Hindustan Republican Association (HRA). The main objective of this organization was to free India from British rule.

Ram Prasad Bismil was also a talented writer and poet. Through his writings, he inspired young people with the spirit of patriotism. He believed that freedom was the right of every individual and that it could be achieved only through struggle and sacrifice.

One of the most important events of his life was the Kakori Conspiracy. On 9 August 1925, he and his companions stopped a train carrying government treasury funds and seized the money. The purpose was not personal gain but to raise funds for the freedom movement. This incident shocked the British government, which then began arresting revolutionaries.

Ram Prasad Bismil was also arrested. He was put on trial and sentenced to death. On 19 December 1927, he was hanged in Gorakhpur Jail. He sacrificed his life for the motherland with courage and pride.

Ram Prasad Bismil made a significant contribution to India's freedom struggle. Through his bravery, sacrifice, and patriotism, he inspired countless young people. His life teaches us that sacrifice for the nation is the highest form of service. Even today, he is remembered as one of India's immortal martyrs, and his life continues to inspire generations.



My Journey to Gangtok

by : **Abhineeti Yadav**

Class: 4A



During my summer vacation, I went to Sikkim with my parents. It was one of the most exciting and memorable journeys of my life. We visited Gangtok, Nathula Pass, Baba Mandir, Namchi Buddha Park, Chardham, monastery, water fall and many other beautiful places.

Gangtok is the capital of Sikkim and is a beautiful hill station. The journey to Gangtok was very exciting. On the way, I saw tall green mountains, winding roads and clouds floating around the hills. The cool weather and fresh air made me very happy.

However, I felt motion sickness due to curvy roads.

We did local sightseeing in Gangtok and visited many beautiful places like water wall, flower museum. We enjoyed the lovely views of the mountains and valleys. We also visited monasteries and peaceful places. The colourful prayer flags and beautiful surroundings made the city look very attractive.

One of the most exciting parts of our trip was visiting Nathula Pass. It is located at a very high altitude near the India-China border. The weather was very cold, and I could see the Chinese Army in their uniform. I was excited to see the border area and learned about the bravery of our soldiers who protect our country.

We also visited Baba Harbhajan Singh Mandir. I learned about the brave Indian soldier, Baba Harbhajan Singh, and the stories associated with him. The temple was peaceful, and I felt proud of our soldiers. It was a very special experience for me.

Another beautiful place we visited was Buddha Park in Namchi. There is a huge statue of Lord Buddha surrounded by green hills and beautiful gardens. The place was very peaceful and clean. I enjoyed walking around the park and looking at the beautiful scenery.

We also visited Chardham in Namchi. It is a large pilgrimage and tourist attraction with beautiful temples. I saw statues and replicas of important Hindu temples. The peaceful atmosphere and beautiful surroundings made the visit very special.

One thing I really liked about Sikkim was its cleanliness. I hardly saw garbage on the roads. Dustbins were available at all places even in taxis and people seemed to care about keeping their surroundings clean. This taught me that we should never throw waste on the road and should always keep our environment clean.

I also noticed that traffic was well managed. Vehicles followed traffic rules, drivers were disciplined, and people were patient on the roads. This taught me the importance of following traffic rules and being responsible while travelling.

My trip to Sikkim taught me many things. I learned to respect nature, keep my surroundings clean, follow traffic rules and respect our brave soldiers. I also learned that travelling helps us discover new places and learn about different cultures.

My journey to Gangtok and other parts of Sikkim was a wonderful and unforgettable experience. I enjoyed every moment of the trip and hope to visit this beautiful place again someday."



Rise Again

— Jyoti Paul
Class X-D

You may fall down along the way,
And lose the strength to face the day.
You may feel tired, hurt, or small,
And wonder if you'll stand at all.

But listen closely—deep inside,
There is a strength you cannot hide.
Take your time, breathe deep, begin,
For every new start comes from within.

The past may hold what went wrong then,
But it cannot stop you trying again.
For courage is not never falling—
It is choosing to rise again.



SALUTE TO THE BRAVE...

By: Srishti Mishra
Class-XIth B

In the land of the free and the brave,
Where the tricolour waves, our hearts crave, To
Honour the heroes, who guard our shore, The
Indian military, we adore.
From Siachen's snow to Kargil's peak,
They stand watch, their vigil never meek,
Against the enemy, they face the test,
Their bravery and honour, forever at best.
In the Indo-Pak wars, they fought with might,
For the motherland, they shone so bright,
Their sacrifices, we can never repay,
But we remember, in our own way.
From the Battle of Laungewala to the Surgical
Strike,
Their valor and courage, left the enemy in flight,
We salute the martyrs, who laid down their lives,
Their memories, etched in our hearts, forever in strife..
Jai Hind, Jai Bharat

INTRODUCTION OF A NEW EDUCATIONAL PLATFORM “NotebookLM”

Introduction

Imagine having a study partner who can read your notes, explain difficult topics, make questions from your chapters and even turn your study material into a podcast. Sounds interesting, right? This is exactly what Google’s new tool **NotebookLM** is designed to do.

For students like us, it acts as a digital companion. Instead of staring at 15-page notes until our eyes glaze, we can upload our actual classwork materials and have an AI help us make sense of them.

What Does It Offer?

This is where NotebookLM becomes interesting.

Summaries and Explanations

We can upload a chapter, PDF or set of notes and ask NotebookLM to summarize the important information. It can also answer questions based on the uploaded sources.

Audio Overviews

One of its most unusual features is the ability to turn your sources into an audio discussion between AI hosts. Instead of only reading your notes, you can listen to the material being discussed.

Video Overviews and Other Learning Materials

NotebookLM has also expanded into video overviews and other ways of presenting information. This gives learners different ways to study the same material.

What Makes It Different?

The biggest difference is that NotebookLM focuses on **our sources**.

I tested this by uploading my own messy science notes and it helped me to create neater, organized notes, quizzes and flashcards for practice.

Pros

- Makes revision more organized.
- Can turn our notes into quizzes and flashcards.
- Can summarize lengthy study material.
- Provides different ways to learn, including text, mind maps and audio.
- Can save time while preparing study materials.

Cons

- Like any AI tool, NotebookLM also has limitations which we shouldn’t ignore.
- We may become dependent on AI if we use it for everything.
- It requires digital devices and internet access.
- We should be careful about what personal or private information we upload.

Responsible Use : In my opinion, NotebookLM should be used as a **learning assistant, not as a replacement for our own brain**.

We should check important information, understand the answers instead of blindly copying them. We should also avoid uploading private information or someone else's personal documents without permission. Our goal should be simple:

We should Use AI to understand more, not to think less.

My Verdict

In my opinion, NotebookLM is an exciting educational tool because it does not simply give us another answer, it helps us **work with the materials for our studies**.

Its quizzes, flashcards, mind maps and audio features can make revision more interesting and interactive. However, the smartest way to use it is as a helper.

After all, **the best study partner is one that helps you learn—not one that learns everything for you**



Prachi prasad , 8D



Diary Entry: Reflections on Student Life

May 31, 2025

Dear Diary,

As I sit here, reflecting on the student life, I realize how profoundly it has shaped us - physically, mentally, and emotionally. From the early days of childhood to the tumultuous teenage years, being a student is like being on a rollercoaster ride of experiences, challenges, and growth.

The academic pressure is intense, especially as we enter the teenage years. The syllabus seems endless, and the competition is fierce. We start to feel the weight of expectations from parents, teachers, and peers, which can sometimes lead to anxiety and stress. The fear of not meeting expectations, of not being good enough, is a constant companion.

Peer pressure is another challenge students often face. The desire to fit in, to be accepted by the people around us, it can lead us to make choices that we are not always proud of. But we have also learned to navigate these relationships, to choose friends who support and encourage us.

Lessons Learned

Despite the challenges, we learn so much about ourselves and the world around us. We discover our passions and interests, and we develop skills that will serve us well in life. As we go through life, we learn to prioritize our time, to manage stress, and to seek help when we need it.

Personal Reflections

As I look back on my student life, I realize that it's not just about academics; it's about growing into a confident, capable, and compassionate individual. I learned to balance my academic responsibilities with my personal interests and well-being. I discovered the importance of self-care, of taking time for myself, and of seeking support when I need it.

The journey has not been easy, but it's been worth it. I've made mistakes, I've faced setbacks, but I also experienced triumphs and successes.

As I move forward, I know that I'll carry the lessons I learned with me, and I will continue to grow and evolve as a person.

Conclusion-

Student life is a complex and multifaceted experience, full of challenges and opportunities. It's a time of growth, discovery, and transformation. As I reflect on my own experiences, I am reminded of the importance of staying true to myself, of prioritizing my well-being, and of seeking support when I need it. I hope that these reflections will help me navigate the ups and downs of student life and beyond.



**Manya
11 A**



Rain, Rain, From Where You Came

Rain, Rain, From Where You Came
Into my home lane,
How beautiful you are—
Such a shiny pearl of my mother's jewel.
You are part of a continuous cycle,
That begins in the sea and moves to the
land.
You evaporate, condense, and then
precipitate,
Returning to the surface once again.
After the sunny summer, you arrive,
To make the Earth green and alive.
The thunder claps, the trees sway,
As raindrops fall, all creatures play.
From the heavens above, you descend,
A blessing from the gods we revere.
You bring a message of love and joy,
Of hope, devotion, and cheer.
We are truly grateful for your grace—
You are a living soul in many ways.



By - Vaishnavi Kumari
11 - b



SWACHH BHARAT SUNDAR BHARAT

Swachh Bharat just not a scheme,
This was gandhiji's dream
We have to be a team,
To make the world clean.

We should make it whether ,
It should be east or west.
So , comeon let's make our India best.

Swachh Bharat Sundar Bharat ,
Remember it always .
Make Gandhiji's dream comes true ,
By making it yours too!.



Anuska Aarya
CLASS-7A



शिक्षक विभाग

कुछ पहेलियां

- क) बच्चे भी कहते हैं मामा, छोटे भी कहते हैं मामा,
दादी भी कहती है मामा, बोलो कौन है मामा?
- ख) खड़ी करो तो गिर पड़े, दौड़ी मीलों जाए,
नाम बता दो इसका, यह तुम्हें हमें बिठाए।
- ग) बिल्ली की पूँछ हाथ में, बिल्ली रहे इलाहाबाद में।
- घ) पानी के संग साथ निभाए, उम्र बढ़े छोटी हो जाए ।
- ङ) दो भाई एक समान, बोलो क्या है इसका नाम?
- च) चार अंगुल का पेड़, सवा मन का पत्ता,
फल लगे अलग-अलग, पक जाएँ इकट्ठा।
- छ) पत्थर की नाव पर बैठा सवार, चलती नहीं नाव, चलता सवार।
- ज) न खाता है, न पीता है, घर की रखवाली करता है,
बोलो क्या है इसका नाम?
- झ) एक झाड़, तीस डाली, आधी सफेद, आधी काली।

(संग्रह) शिवानी शांडिल्य , प्र.शि

The Rhythm of Time



At every dawn,
the rhythm of sun rays. Dance on the surface of sky.
At every dusk,
birds return to their nest,
chirping songs of the ending day.
Every night,
in the silent twinkling of stars,
spreading a sheet of dew awaits the onset of dawn.
And in this process, one day of the world's calendar
goes into the background.
We may or may not hear the music of the sun rays.
We may or may not listen to the chirping songs of
birds.
We may or may not feel the warmth of the sunshine,
Or, the sensation of dew drops.
But the process of present dissolving into the past will
continue and
bygones will remain bygones.

Shivani Shandilya,PRT

कल उन्ही हाथों में होती निश्चित सफलता है...

संभव जैन,
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)

करते हैं जो कर्म, ना जिनको फल की चिंता है
कल उन्ही हाथों में होती निश्चित सफलता है।।

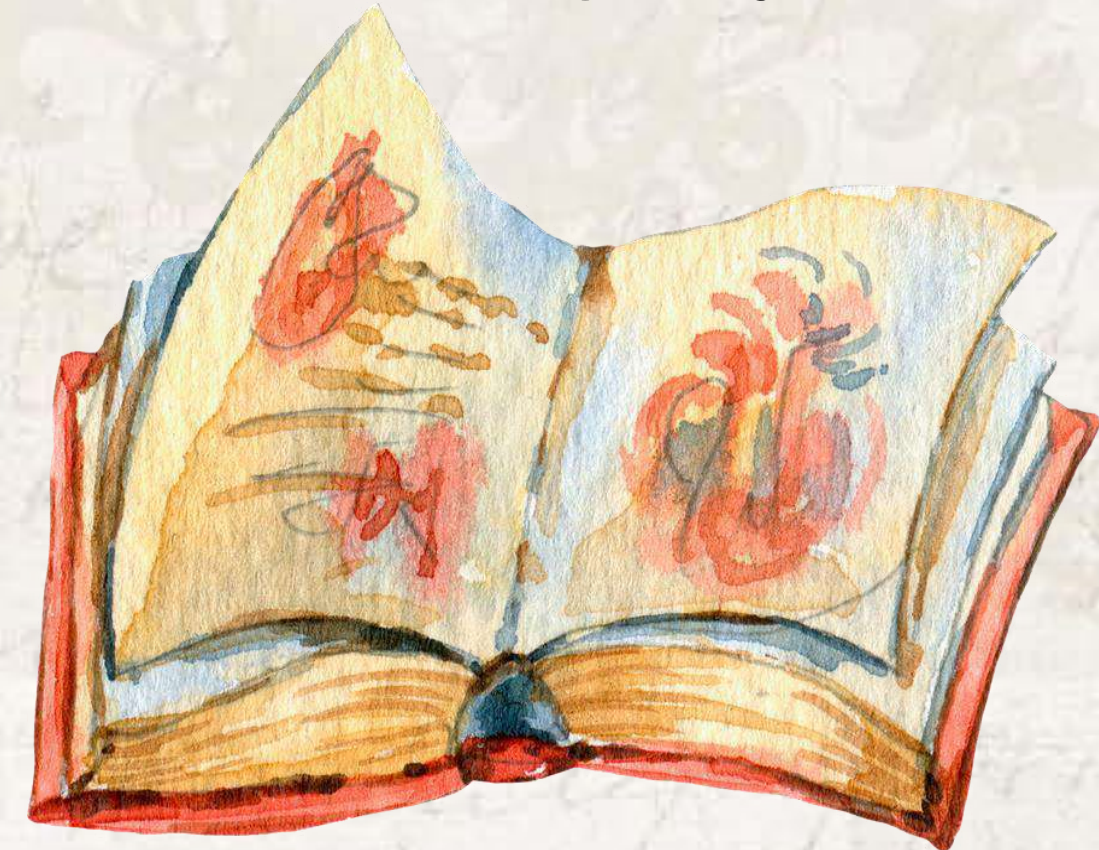
है जिनके आदर्श बहुत ऊंचे और न भय आंखों में
जो होते ना अधीर न जिनके मन में विकलता है
भाग्य उन्हीं के हाथों में आकर के फलता है
कल उन्ही हाथों में होती निश्चित सफलता है।।

क्या मुश्किल है अगर राह में कोई मुश्किल आये
और विघ्न बाधाओं से ये दिल हिल जाये
यहां परिश्रम की अग्नि में जो नित जलता है
कल उन्ही हाथों में होती निश्चित सफलता है।।

The Power Within

by : Kavita Bisht, PRT

You may doubt, you may fall,
You may feel you can't do it at all.
But deep inside, a strength is true,
There's nothing in this world you cannot do
.Dream big, keep faith, and make a start,
Let courage always lead your heart.
The road may test you, but remember this-
Your dreams are waiting for you to chase them.



Drawings :

By : Arsha Vashisth , PRT



चित्र दीर्घा



कंकड़बाग स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय का 63वां स्थापना दिवस मना

केंद्रीय विद्यालय ने कई नवाचार शुरू किये: मल्ल

संवाददाता, पटना

केंद्रीय विद्यालय संगठन का 63वां स्थापना दिवस सोमवार को कंकड़बाग स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय विद्यालय संगठन के पूर्व आयुक्त व जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल व विशिष्ट अतिथि के रूप में मद्यनिषेध उत्पाद व निबंधन विभाग के सचिव अजय यादव मौजूद थे। संगठन के पटना संभाग के उपायुक्त



केंद्रीय विद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद छात्र व शिक्षक।

अनुराग भटनागर व विद्यालय प्राचार्य एमपी सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। भटनागर ने कहा कि मुख्य अतिथि केंद्रीय

जबकि अजय यादव की सक्रियता के कारण से ही पटना संभाग को 19 नए केंद्रीय विद्यालय के लिए स्वीकृति दी गयी और 14 नए केंद्रीय विद्यालयों को स्थायी भूमि आवंटन हुआ। उपायुक्त ने संजय कुमार सचिव, शिक्षा मंत्रालय का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में ही बिहार राज्य के लिए 19 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्वीकृति मिली। 1963 में अपनी स्थापना दिवस से ही केंद्रीय विद्यालय सभी के सहयोग से निरंतर प्रगति कर रहा है।



नृत्य क्षेत्राध्य कायालय क रतारा कुमार न पटना।

केवि कंकड़बाग का स्थापना दिवस मनाया गया

पटना। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 कंकड़बाग में केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविस) का 63वां स्थापना दिवस सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। केवि संगठन के पूर्व आयुक्त जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल बतौर मुख्य अतिथि, मद्यनिषेध उत्पाद निबंधन विभाग के सचिव अजय यादव बतौर विशिष्ट अतिथि रहे। केविस पटना संभाग के उपायुक्त अनुराग भटनागर और प्राचार्य एमपी सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।



केवि संगठन के स्थापना दिवस पर बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल बतौर मुख्य अतिथि, मद्यनिषेध उत्पाद निबंधन विभाग के सचिव अजय यादव बतौर विशिष्ट अतिथि रहे। केविस पटना संभाग के उपायुक्त अनुराग भटनागर और प्राचार्य एमपी सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।

किशोर-किशोरियों के समग्र विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल बतौर मुख्य अतिथि, मद्यनिषेध उत्पाद निबंधन विभाग के सचिव अजय यादव बतौर विशिष्ट अतिथि रहे। केविस पटना संभाग के उपायुक्त अनुराग भटनागर और प्राचार्य एमपी सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।



पटना 16-12-2025

छात्रों को परिश्रम व नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की सीख दी



पटना। केंद्रीय विद्यालय कंकड़बाग में 63वां स्थापना दिवस मनाया गया। स्कूल कैम्पस में हुए कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने सराहा। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय संगठन देशभर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। स्कूल के प्राचार्य एमपी सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री की सक्रियता के कारण ही पटना संभाग को 19 नए केंद्रीय विद्यालय के लिए स्वीकृति दी गई एवं 14 नए केंद्रीय विद्यालयों को स्थायी भूमि आवंटन हुआ है।

VAN MAHOTSAV!

Planting New Saplings



Planting New Saplings



Greening Our School Garden



Future Caretakers



Our Class 4A students proudly planted new saplings today, marking Van Mahotsav with enthusiasm. A green initiative for a brighter future!

स्काउट-गाइड के उद्देश्य को जीवन में उतारें : मनीष



पटना। पीएम केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, कंकड़बाग में सोमवार से पांच दिवसीय भारत स्काउट एवं गाइड राज्य पुरस्कार परीक्षण शिविर 2026 (स्काउट्स) शुरू हुआ। इसमें पटना संभाग के 48 विद्यालय भाग ले रहे हैं। मुख्य अतिथि के.वी.एस. पटना संभाग के सहायक आयुक्त मनीष कुमार प्रभात और प्राचार्य एमपी सिंह ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। मनीष कुमार प्रभात ने कहा कि स्काउट-गाइड के उद्देश्य को जीवन में उतारें। कैप प्रभारी आदर्श शर्मा, सुरेन्द्र कुमार, गौतम कुमार भारती, संजय कुमार, राजू कुमार, वीरेंद्र शर्मा, शिव कुमार समेत वरिष्ठ शिक्षक और स्काउट मास्टर्स आदि मौजूद रहे।

स्काउट गाइड राज्य पुरस्कार परीक्षण शिविर शुरू

पटना। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 कंकड़बाग में सोमवार से पांच दिवसीय भारत स्काउट एवं गाइड राज्य पुरस्कार परीक्षण शिविर 2026 (स्काउट्स) की शुरुआत हुई। इसमें पटना संभाग के 48 विद्यालयों के 243 स्काउट, 47 अनुरक्षक शिक्षक और छह परीक्षण अधिकारी रहे। पटना संभाग के सहायक आयुक्त मनीष कुमार प्रभात बतौर मुख्य अतिथि रहे। मुख्य अतिथि, प्राचार्य एमपी सिंह सहित सभी अतिथियों ने उद्घाटन किया।

के.वि. में स्काउट व गाइड प्रशिक्षण शिविर हुआ शुरू

पटना. कंकड़बाग स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में सोमवार से पांच दिवसीय भारत स्काउट एवं गाइड राज्य पुरस्कार परीक्षण शिविर शुरू हुआ। इसमें पटना संभाग के 52 केंद्रीय विद्यालयों में 48 विद्यालयों के बच्चे शामिल हैं। साथ ही 48 विद्यालयों के 243 स्काउट, 47 अनुरक्षक शिक्षक और 60 परीक्षण अधिकारी शामिल हैं। मुख्य अतिथि पटना संभाग के सहायक आयुक्त मनीष कुमार प्रभात व प्राचार्य एमपी सिंह थे। मनीष कुमार प्रभात ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्काउट न सिर्फ भारत का मान रखते हैं, बल्कि विदेशों में भी गौरवान्वित करते हैं। मौके पर कैप प्रभारी आदर्श शर्मा, परीक्षण दल के सुरेंद्र कुमार, गौतम कुमार भारती, संजय कुमार, राजू कुमार, वीरेंद्र कुमार शर्मा मौजूद रहे।

केंद्रीय विद्यालय में स्काउट एंड गाइड प्रशिक्षण शिविर शुरू

जागरण संवाददाता, पटना : पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय, कंकड़बाग में सोमवार से पांच दिवसीय भारत स्काउट एवं गाइड राज्य पुरस्कार परीक्षण शिविर शुरू हुआ। शिविर में पटना संभाग के 52 केंद्रीय विद्यालयों में 48 के बच्चे शामिल हो रहे हैं। 243 स्काउट, 47 अनुरक्षक शिक्षक और 60 परीक्षण अधिकारी शामिल हैं। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत और नृत्य की प्रस्तुति से हुई। मुख्य अतिथि पटना संभाग के सहायक आयुक्त मनीष कुमार प्रभात, प्राचार्य एमपी सिंह मौजूद रहे। प्रभात ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्काउट न सिर्फ भारत का मान रखते हैं, बल्कि विदेशों में भी गौरवान्वित करते हैं।

उपप्राचार्य श्री नृपेन्द्र तिवारी का स्थानांतरण होने पर विदाई समारोह



कैंपस 30s



केन्द्रीय विद्यालय कंकड़बाग में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में बच्चे व शिक्षक। • हिन्दुस्तान

बच्चों ने परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम देखा

पटना। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, कंकड़बाग में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण का लाइव प्रसारण हुआ। विद्यार्थियों ने स्कूल में बैठकर इसका सीधा प्रसारण देखा और परीक्षा के तनाव को दूर करने, स्वस्थ रहने आदि के मूल मंत्र पीएम से सीखे। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य एमपी सिंह, उपप्राचार्य एन तिवारी, प्रमोद कुमार मौजूद रहे।

खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगे केवि के बच्चे

जागरण संवाददाता, पटना : केन्द्रीय विद्यालय कंकड़बाग, पटना में 55वीं संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पांच और छह मई तक चले विभिन्न प्रतियोगिताओं में पटना संभाग के 30 केन्द्रीय विद्यालय के 384 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें 14 से 17 आयु वर्ग के बालिकाएं शामिल हुईं। इस दौरान रस्सी कूद, बाक्सिंग, फुटबाल, योगा और एथलेटिक्स जैसे खेल का आयोजन हुआ। विजेता प्रतिभागी केन्द्रीय विद्यालय राष्ट्रीय खेल कूद प्रतियोगिता में पटना संभाग की ओर से भाग लेंगे। मौके पर पटना संभाग के आयुक्त पूर्णेंद्र मंडल, प्राचार्य एमपी सिंह, कार्यक्रम संयोजक मनोज श्रीवास्तव और खेल शिक्षक हिमाद्री भास्यम मौजूद रहे। प्राचार्य एमपी सिंह ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताएं छात्रों के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। वहीं, केन्द्रीय विद्यालय, नेहरु पथ (बेली



केन्द्रीय विद्यालय, कंकड़बाग में आयोजित खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल बच्चे व अतिथि, 384 बच्चों ने लिया भाग • सौ. कालेज

रोड) में ताइक्वांडो और बैडमिंटन जैसे खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें बालिकाएं शामिल हुईं। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। प्राचार्य

मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि दो दिवसीय प्रतियोगिता में 24 विद्यालयों के 189 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मौके पर उप प्राचार्य मधु कुमारी, राजीव रंजन सिंह मौजूद रहे।

RSM 2026 winners (Boxing)



प्रार्थना सभा प्रस्तुति (प्राथमिक विभाग)



Khel yoga



स्वतंत्रता दिवस 2026 का आयोजन



राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन 29.08.2026



हिन्दी माह समारोह

दिनांक - 1 सितंबर से 30 सितंबर

प्रतियोगिता

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल



CPD

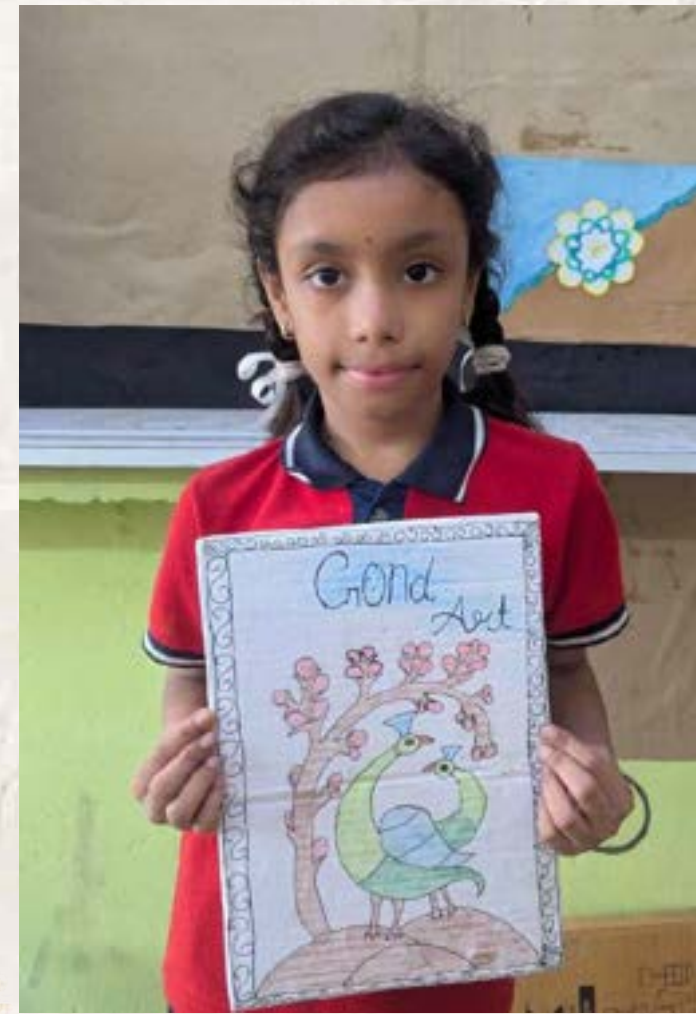


छात्रों का कोना



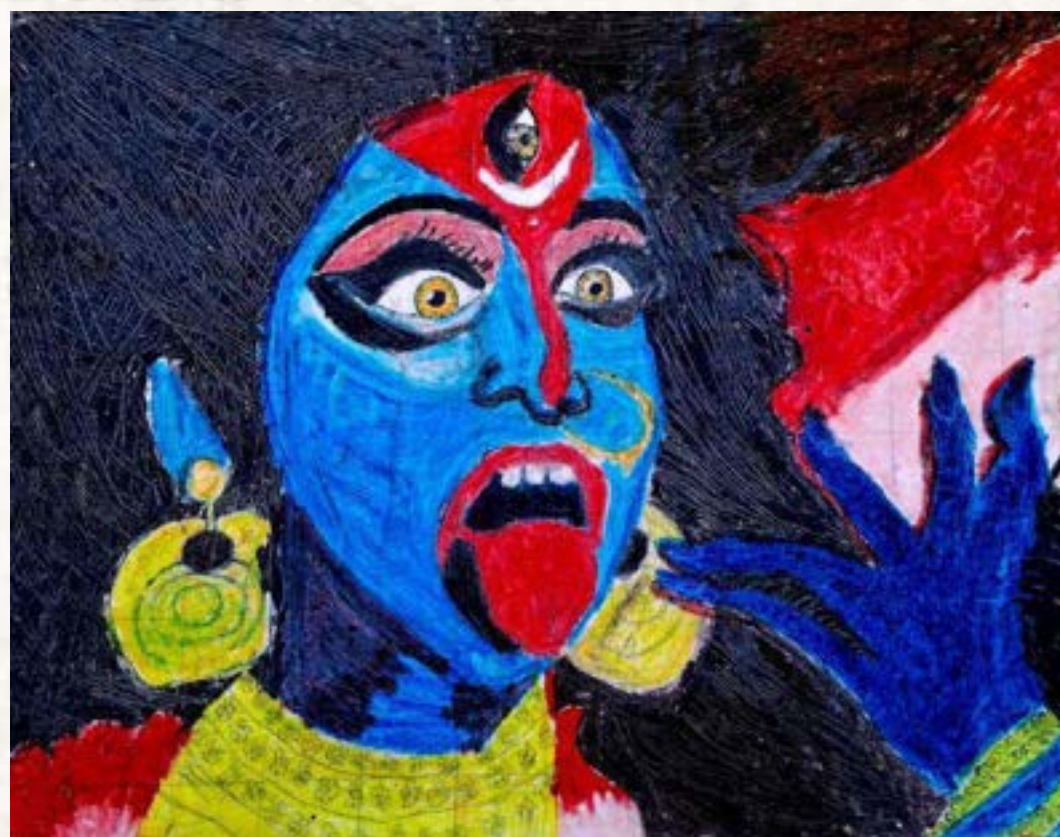


Utkarsh Kumar 3B



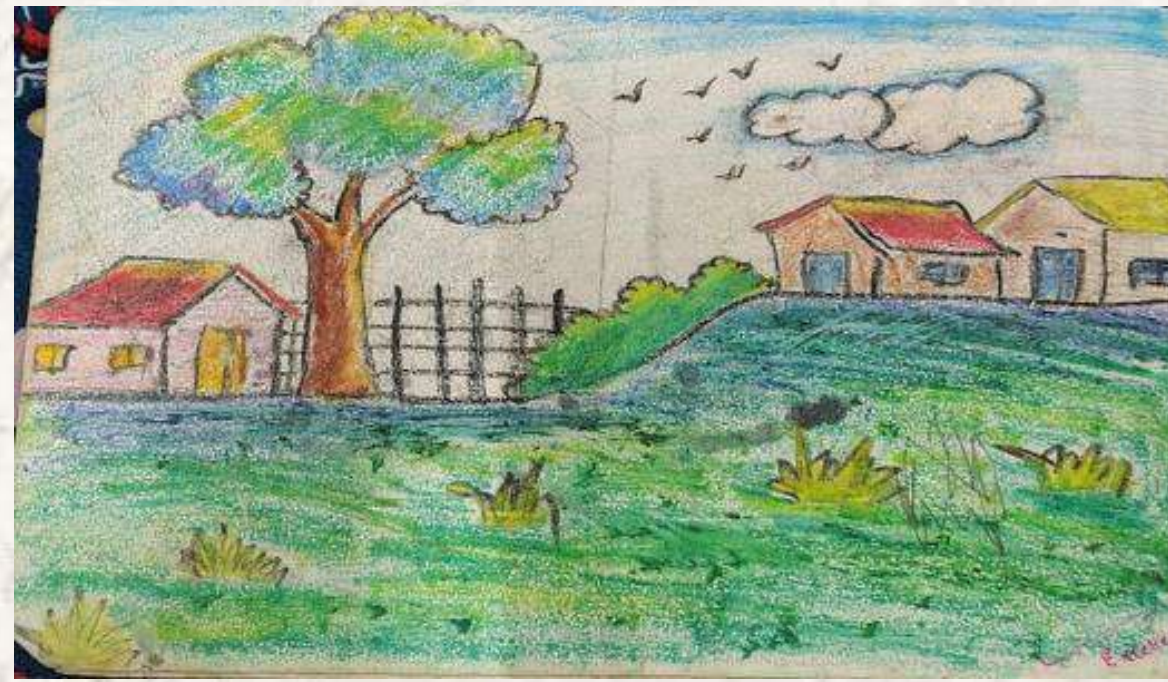
Srishti Mishra , 11 B





**Garima rani &
Shangvi ojha , 7 B**







उपलब्धियां

कक्षा 10 अ की छात्रा सोनाक्षी ने एक
भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत
कलाकृति निर्माण प्रतियोगिता में
पटना संभाग की ओर से जोनल स्तर
पर प्रथम स्थान प्राप्त किया





Thank You

**E- Magazine Designed and
compiled by :**

**Sambhav Jain (PGT HINDI)
Saket Saurav (PRT)**